अनुशासित विद्यार्थी की पहचान है। जो व्यक्ति स्वयं को अनुशासन में रखता है, उसे सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता।

(i) अनुशासन से क्या तात्पर्य है?

(ii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन क्यों महत्त्वपूर्ण है?

(iii) एक अनुशासित विदयार्थी की क्या पहचान है?

(iv) अनुशासन का सफलता से क्या संबंध है?

(v) इस अनुच्छेद के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4394 **L**

Unique Paper Code : 2051002005

Name of the Paper : Hindi - E : Compulsory Hindi Syllabus (CHS)

Name of the Course : **Common Prog. Group – AEC-2**

Semester : IV

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित शब्दों में आवश्यक स्थान पर अनुस्वार अथवा अनुनासिक का प्रयोग करते हुए इन्हें पुनः लिखिए - (6)

पंजाब, मगल, मिठाइया, पकज, मा, पाच

2. निम्नलिखित में से **छह** विदेशी ध्वनियों वाले शब्दों को पहचान कर लिखिए - (6)

ऑफिस, जमीन, राज, पानी, गीत, काम, वन, कॉफी, बॉल, बाजार, ध्वनि, घर

3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थानों पर विराम चिह्न लगाकर पुन: लिखिए - (6)

(i) पानी जीवन का आधार है

(ii) धरती गोल है

(iii) तुम्हारा नाम क्या है

4. निम्नलिखित वाक्यों को हिंदी की वाक्य संरचना के अनुसार व्यवस्थित कीजिए - (6)

(i) किताब देख राम रहा है

(ii) है आम फलों राजा का

(iii) गया बाज़ार कल शाम था

(iv) भारत हमारा सबसे है प्यारा

(v) विद्यालय मेरा है सबसे पास

(vi) बुखार मुझे है हो गया

5. प्रदूषण के बारे में दो मित्रों का संवाद लिखिए। (6)

अथवा

दीपावली के उत्सव के बारे में दो मित्रों का संवाद लिखिए।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** का वर्णन 100 शब्दों में लिखिए - (10)

(i) किसी मेट्रो स्टेशन का वर्णन कीजिए।

(ii) किसी ऐतिहासिक स्थल की यात्रा का वर्णन कीजिए।

7. किसी बाल कहानी के संवाद 100 शब्दों में लिखिए। (10)

अथवा

समय के महत्त्व पर 100 शब्दों में निबंध लिखिए।

8. निम्नलिखित गदयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10)

अनुशासन हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। यह केवल नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि अपने कार्यों को व्यवस्थित तरीके से करना है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यही वह समय है जब हमारे चरित्र की नींव पड़ती है। समय पर जागना, पढ़ाई करना और खेल-कूद का संतुलन बनाए रखना ही एक